



इयत्ता : 90

पूर्व परीक्षा -9

समय: 3 घंटे

विषय :- हिंदी (लोकभारती)

अंक : 100

प्र.१ (क) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (06)

कृति क १ : (आकलन कृति)

एक एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

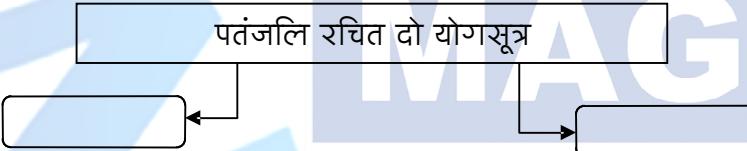
१) कौन-से दोनों एक-दुसरे पर आधारित हैं ?

२) मनुष्य के जीवन का समाधान किन दोनों पर निर्भर है ?

वाणी ईश्वर द्वारा मनुष्य को दी गई एक बड़ी देन है। वह मनुष्य के चिंतन का फलित है और उसका साधन भी। चिंतन के बगैर चिंतन नहीं और दोनों के बगैर मनुष्य नहीं। मनुष्य के जीवन का समाधान वाणी के संयम और उसके सदुपयोग पर निर्भर है। मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र वाणी पर आधारित हैं। दर्शनों का सारा प्रयास विचारों को वाणी में टीक-से पेश करने के लिए रहा है। वाणी विचार का शरीर ही है। कोई खास विचार किसी खास शब्द में ही समाप्ता है। इसलिये गंभीर चिंतन करने चाले निश्चित वाणी की खोज करते हैं। पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखा, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाकशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाकशुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखनेवाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें। परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

कृति क २ : (आकलन कृति)

आकृति पूर्ण कीजिए :



9)

२) सही विकल्प चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए :

पतंजलि ने चित्तशुद्धि के लिए

(अ) महाभाष्य लिखा | (ब) वैद्यक लिखा |

(क) योगसूत्र लिखा |

कृति क ३ : (व्याकरण कृति)

(१) निम्नलिखित शब्द वर्तनी के नियमानुसार लिखिए :

(१) वैद्यक (२) ऐतीहासिक (३) योगसूत्र (४) चिन्तन ।

(२) निम्नलिखित संस्कृत शब्द के लिए हिंदी शब्द लिखिए :

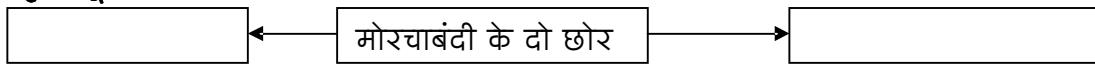
(१) नेत्र (२) वाणी (३) सम्यक् (४) आसन ।

कृति क ४ : माषा के अध्ययन में व्याकरण का महत्त्व विषय पर अपने विचार लिखिए ।



प्र.९ (ख) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (0c)

१) आकृति पूर्ण कीजिए :



२) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए :

(१) बिल्ली को पकड़ने के लिए यह लाया गया –

(२) बिल्ली को चुहों के अलावा स्वादिष्ट लगने वाले दो व्यंजन –

(१)

(२)

रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली ही। मोरचाबंदी हो गई और दोनों सतर्क! बिल्ली फँसाने का कटघरा आया। उसमें दूध, मलाई, चुहे और भी बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले व्यंजन रखे गए लेकिन बिल्ली ने उधर निगाह तक नहीं डाली। इधर कबरी ने सरगर्मी दिखलाई। अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी; पर अब वह साथ लग गई लेकिन इतने फासले पर कि रामू की बहू उसपर हाथ न लगा सकी।

कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं सास की मीटी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता था रुखवा-सूखवा भोजन। एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई। पिस्ता, बादाम, मरवाने और तरह-तरह के मेवे दूध में औटाए गए, जोने का वर्क चिपकाया गया और खीर से भरकर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊँचे ताक पर रखवा गया, जहाँ बिल्ली न पहुँच सके। रामू की बहू इसके बाद पान लगाने में लग गई। उधर बिल्ली कमरे में आई, ताक के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा, सूँघा, माल अच्छा है; ताक की ऊँचाई अंदाजी, और रामू की बहू पान लगा रही है। पान लगाकर रामू की बहू सास जी को पान देने चली गई और कबरी ने छलाँग मारी; पंजा कटोरे में लगा-और कटोरा झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर! आवाज रामू की बहू के कान में पहुँची, सास के सामने पान फेंककर वह दौड़ी, क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े, खीर फर्श पर और बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है। रामू की बहू को देखते ही कबरी चंपत!

कृति ख २ : १) आकृति पूर्ण कीजिए :

२) एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१) कबरी की वजह से रामू और उसकी बहू को क्या मिलता था?

२) घर में रहना किसके लिए मुश्किल हो गया ?

कृति ख ३ : (व्याकरण कृति) इन शब्दों के लिए परिच्छेद में आए शब्द :

१) (१) गायब –

(२) अलमारी –

२) परिच्छेद में आए दो संबंधसूचक अव्यय

कृति ख ४ : अंधश्रद्धा पर अपने विचार प्रकट कीजिए।



- प्र.९ ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (08)
- १) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :
 - २) डॉ. माशेलकर मूल रूप से एक है। (अध्यापक, लेखक, वैज्ञानिक)
 - ३) बलसागर भारत हो कविता के रचयिता हैं।
(वसंत बापट, साने गुरुजी, सुरेश करंदीकर)
 - ४) एक शब्द में उत्तर लिखिए :
 - ५) एम.बी.ए. होकर युवक किस क्षेत्र में जा रहे हैं?
 - ६) युवकों को किसमें लगना चाहिए?

डॉ. माशेलकर का व्यक्तित्व आकर्षक है। आप हमेशा रचनात्मक विचार रखते हैं। साने गुरुजी की कविता बलसागर भारत हो का अर्थ समझनेवाले, उस दिशा में प्रयत्न करने वाले, उच्च पदरथ होने पर भी शोध छात्रों को हमेशा मार्गदर्शन और सहायता करने वाले माशेलकर चैतन्य से ओतप्रोत वैज्ञानिक हैं। आग्रह है कि भारत को बलशाली महासत्ता बनाने के लिए भारतीय युवक तन-मन से मूलभूत वैज्ञानिक अनुसंधानों में जुट जाएँ। डॉ. माशेलकर इस बात से चिंतित और दुर्खी हैं कि आज के युवक वैज्ञानिक शोधकार्य से कन्नी काटकर पैसे के टट्ठू बनने जा रहे हैं। इससे उन्हें पैसा अवश्य मिलता है, परन्तु देश की, अनुसंधान क्षेत्र की बड़ी हानि हो रही है। वैश्विक प्रतियोगिता में हम पिछड़ रहे हैं।

कृति ग २: देश के विकास में शोधकार्य का महत्त्व विषय पर ६ से ८ वाक्यों में अपना मत प्रकटकीजिए।

विभाग २ : पद्य

- प्र.२ (च) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (08) ९)
दोहे से संबंधित दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर हों –

- १) सहन करती २) धरती।
- ३) ४)

दोहा:

जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ॥

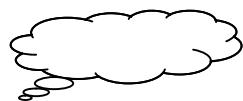
कृति च २ : १) शब्द लिखिए : दोहा में आए मौसम –

- १) ठंडी २) ३)

- २) एक शब्द में उत्तर लिखिए :



जिससे प्राप्त होने वाली वरतु के बिना हम
जीवित नहीं रह सकते, उससे संबंधित शब्द –



कृति च ३ : (शब्दसंपदा कृति) : (१) शब्दों के लिए मानक वर्तनी के शब्द लिखिए :

(१) परै – (२) परत –

(२) समानार्थी शब्द लिखिए : (१) देह - (२) घाम –

कृति च ४ : (भावार्थ) निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए :

जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।

घरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ॥

प्र.२ छ : निम्नलिखित पद्ध्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

कृति च १ : १) आकृति पूर्ण कीजिए :

साँई कहा गया है –

के लिए

२) दोहे से शब्द खोज कर लिखिए : जिसमें 'शब्द' के अर्थ में आया शब्द –

दोहा:

साँई इतना दीजिए, जा में कुटुंब समाए। मैं
मी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए ॥

कृति छ २ :

१) आकृति पूर्ण कीजिए : साधु यानी कौन ?

२) उत्तर लिखिए : इनके लिए माँग की गई है – १)

२) ३)

कृति छ ३ : १) विलोम शब्द लिखिए : १) दीजिए x २) साधु x

२) शब्दों के लिंग पहचान कर लिखिए : १) साई : (२) कुटुंब :

कृति छ ४ : निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए :

साँई इतना दीजिए, जा में कुटुंब समाए ।

मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए ॥

विभाग ३ : पूरक पठन

प्र. ३ निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (०४)

कृति १ : १) उत्तर लिखिए :

१) चंदा माँगने और चंदा देने वाले की पहचान का पैमाना –

२) वह बीमारी, जिसमें मरीज खरस्थ रहता है –



2) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए :

परिच्छेद में आई दो जानलेवा बीमारियाँ – 9) 2)

3) परिच्छेद में आई इलाज की प्रणालियाँ – 9) 2)

हम उनके पास चंदा माँगने गए थे। चंदे के पुराने अभ्यासी का चेहरा बोलता है। वे हमे भाँप गए। हम भी उन्हे भाँप गए। चंदा माँगने वाले और देने वाले एक-दूसरे के शरीर की गंध बरबूबी पहचानते हैं। लेने वाला गंध से जान लेता है कि यह देगा या नहीं। देने वाला भी माँगने वाले के शरीर की गंध से समझ लेता है कि यह बिना लिए टलेगा या नहीं। हमें बैटते ही समझ में आ गया कि ये नहीं देंगे। वे भी शायद समझ गये कि ये टल जायेंगे। फिर भी हम दोनों पक्षों को अपना कर्तव्य तो निभाना ही था। हमने प्रार्घना की तो वे बौले-आपको चंदे की पड़ी है, हम तो टैक्सों के मारे मर रहे हैं।

सोचा, यह टैक्स की बीमारी कैसी होती है। बीमारियाँ बहुत देरकी हैं- निमोनिया, कालरा, केंसर, जिनसे लोह मरते हैं। मगर यह टैक्स की कैसी बीमारी है जिससे वे मर रहे थे! वे पुरी तरह से खस्थ और प्रसन्न थे। तो क्या इस बिमारी में मजा आता है? यह अच्छी लगती है जिससे बिमार तगड़ा हो जाता है। इस बिमारी से मरने में कैसा लगताहोगा? अजिब रोग है यह। चिकित्साविज्ञान में इसका कोई इलाज नहीं हैं। बड़े रोग है डाक्टर को दिखाइए और कहिए- यह आदमी टैक्स से मर रहा है। इसके प्रण बचा लिजिए। वह कहेगा-इसका हमारे पास कोई इलाज नहीं है। लेकिन इसके भी इलाज करने वाले होते हैं, मगर वेलोपैथी या होमियोपैथी पढ़ें नहीं होते। इसकी चिकित्सा -पद्धति अलग है। इस देश में कुछ लोग टैक्स की बिमारी से मरते हैं और काफी लोग मुखमरी से।

कृती २ : चंदे का धंधा विषय पर अपने विचार लिखिए :

विभाग ४ : व्याकरण

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(90)

9. अ) निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए : बुद्धिमान (9/2)

आ) अधोरखांकित शब्द का भेद करके लिखिए :

(9/2)

जरूरत पड़े तो याद करना।

2. निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(09)

वहाँ एक व्यक्ति रखड़ी थी।

3. अ) सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए : लगे (9/2)

आ) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए :

(9/2)

आई को देखकर वे बोल उठे।



४. प्रेरणार्थक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए : (09)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
सीना

५. अ) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए : जल्दी (09)
 आ) अव्यव पहचान कर उसका भेद लिखिए : अब गाड़ी जाएगी ।

६. कालपरिवर्तन कीजिए : (02)

मैं फल रखा रहा हूँ। १) सामान्य भूतकाल - २) सामान्य भविष्यकाल -

७. अ) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए : (09)

सहारा लेना –

आ) अधोरखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए : (09)

मनुष्य को हमेशा बहुत सोच-समझकर बोलना चाहिए। (तौलकर बोलना, दबी जबान में कहना)

विभाग ५ : रचना विभाग

(सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित हैं :

प्र.५ १) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : (15)

अनिल / अनुराधा सिंह, ४/२०५, आंबेडकर नगर, देहरादून से प्रधानाचार्य, तिलक विद्यालय, आंबेडकर नगर, देहरादून को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करता/करती है।

अथवा

रमेश/रेखा पाटील, पंचवटी चौक, अमरावती से मा. व्यवस्थापव। नवयुवक स्पोर्ट्स, राजकमल चौक, अकोला को क्रिकेट खेल की सामग्री मँगाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

२) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ८० से १०० शब्दों में कहानी लिखकर उसे शीर्षक दीजिए : (5)

एक सिंह – कई जानवर मार डालोना – बचे प्रणियों की प्रार्थना – रोज एक प्राणी को नियम से भेजना – सिंह का राजी होना – खरण्गोश की बारी – देर से पहुँचना – क्रोधी सिंह द्वारा देरी का कारण पूछना – खरण्गोश का उत्तर – दुसरे सिंह का आतंक – पहले सिंह को कुएँ पर ले जाना–परछाई देखकर कूद पड़ना ।

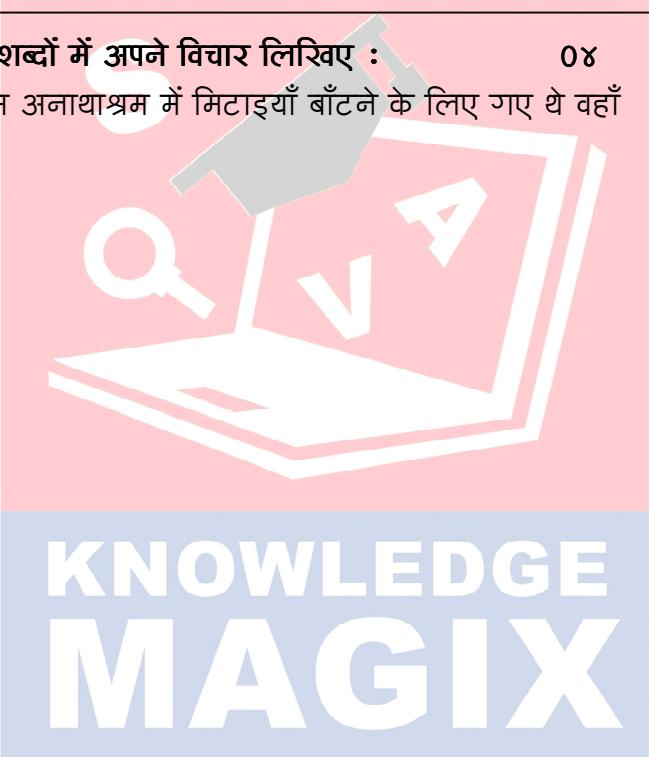


३) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों: (०५)

राजा जनक अपने उपवन में टहल रहे थे। उनके मन में अनेक चिंताएँ थी, अनेक प्रश्न उन्हें धेरे हुए थे। जिनका कोई स्पष्ट उत्तर रखोजने में वे ऐसे निमग्न थे कि उनका जरा भी ध्यान उपवन की शोभा की ओर नहीं था। संध्या होने लगी थी। पक्षी दिन भर के परिश्रम से थके अपने बसरों को लौट रहे थे। पेड़ों की डालियों पर बैठे, पंख पसार अपनी थकान उतार रहे थे। पेड़ों की डालियों पर बैठे, पंख पसार गूँज रहा था। राजा जनक के कानों तक कोई आवाज पहुँच नहीं रही थी। धीरे-धीरे अँधेरा घिरने लगा। राजा जनक अचानक सचेत हुए। ओह! आज कितना अंधकार है! कौन सा दिन है? क्या आज

प्र.६ १) निम्नलिखित प्रंसंग पर लगभग ६० से ८० शब्दों में अपने विचार लिखिए : ०४

अपने जन्मदिन के अवसर पर परिवार सहित हम अनाथाश्रम में मिटाइयाँ बाँटने के लिए गए थे वहाँ के बच्चों को देखकर मेरे मन में विचार आए



**KNOWLEDGE
MAGIX**
Digital Way Of Learning